दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 26-03-2026

सीआरएसयू में इंडियन फिलॉसफी एवं मिशन ओलंपिक्स 2036 पर राष्ट्रीय सम्मेलन

अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ें युवा: रामानंद

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू के खेल परिषद एवं क्रीड़ा भारती हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में इंडियन फिलॉसफी एवं मिशन ओलंपिक्स 2036 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के मुख्य आतिथ्य में हुआ, जबकि कुलसचिव प्रो. सीमा गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

सम्मेलन के दौरान चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें देशभर से आए प्रोफेसर, शोधकर्ता एवं विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस आयोजन में 320 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कर भागीदारी सुनिश्चित की। उद्घाटन अवसर पर क्रीड़ा भारती के अखिल भारतीय मंत्री रामानंद ने कहा कि भारत में खेलों की अपार संभावनाएं हैं और युवाओं को अनुशासन व समर्पण के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

सीआरएसयू में आयोजित सम्मेलन में संबोधित करते वीसी प्रो. रामपाल सैनी।

वीसी प्रो. सैनी ने भारतीय दर्शन को जीवन मूल्यों का आधार बताते हुए कहा कि इसे खेलों से जोड़कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल की जा सकती है। मुख्य वक्ता डॉ. अरविंद मलिक ने खिलाड़ियों के लिए आधुनिक तकनीक, सही प्रशिक्षण और स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई। वहीं डॉ. राजीव चौधरी ने योग को शारीरिक और मानसिक संतुलन का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। समापन सत्र में हरियाणा मानवाधिकार आयोग के सदस्य दीप भाटिया मुख्य अतिथि रहे।

सटीक नजर-सबकी खबर

INDIA TIMER

इंडिया टाइमर

इंडिया टाइमर में विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
मोबाइल : 9050007221
9467504707

www.indiatimer.com indiatimer1@gmail.com indiatimer1 वर्ष : 12 || अंक : 9 || जीन्द, 26 मार्च 2026 || पृष्ठ : 4 || मूल्य : 3 रुपए INDIATIMER @indiatimer1

सीआरएसयू में हुआ मिशन ओलंपिक्स पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

भारतीय दर्शन हमारे जीवन मूल्यों का आधार : वीसी सैनी

संजय शर्मा

जींद,(इंडिया टाइमर): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद के खेल परिषद एवं क्रीड़ा भारती हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में इंडियन फिलॉसफी एवं मिशन ओलंपिक्स 2036 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ समारोह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के मुख्य अतिथि में आयोजित हुआ, जबकि विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सीमा गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंतर्गत तकनीकी सत्रों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें प्रातःकालीन सत्रों में टेक्निकल सेशन-1 एवं टेक्निकल सेशन-2 तथा दोपहर भोजन के उपरांत टेक्निकल सेशन-3 एवं टेक्निकल सेशन-4 का आयोजन किया गया। इसके पश्चात समापन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें दीप भाटिया, सदस्य हरियाणा ह्यूमन राइट्स कमिशन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अरविंद मलिक (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र), डॉ. राजीव चौधरी (डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, छत्तीसगढ़) शामिल हुए। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से प्रोफेसर, रिसोर्स पर्सन, शोधकर्ता एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। अब तक 320 प्रतिभागियों ने अपने पंजीकरण की पुष्टि की, जो इस आयोजन की व्यापकता और महत्व को दर्शाता है। इस अवसर पर उद्घाटन संबोधन देते हुए रामानंद, अखिल भारतीय मंत्री क्रीड़ा भारती एवं जनरल सेक्रेटरी, वॉलीबॉल ऑफ इंडिया ने कहा कि भारत में खेलों की अपार संभावनाएं निहित हैं। उन्होंने युवाओं को अनुशासन, समर्पण एवं निरंतर अभ्यास को अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि उचित मार्गदर्शन और पर्याप्त अवसर मिलने पर भारतीय खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने क्रीड़ा भारती द्वारा खेल संस्कृति के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने अपने संदेश में कहा कि भारतीय दर्शन हमारे जीवन मूल्यों का आधार है, जो हमें अनुशासन, संयम और उत्कृष्टता की प्रेरणा देता है। यदि इन सिद्धांतों को खेलों के साथ जोड़ा जाए, तो हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। मिशन ओलंपिक्स 2036 भारत के लिए एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है और इस दिशा में ऐसे अकादमिक आयोजनों की अहम भूमिका है। विशिष्ट अतिथि प्रो. सीमा गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय सम्मेलन विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं को अपने विचार साझा करने और नई दिशा में सोच विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। भारतीय दर्शन और खेलों का समन्वय वर्तमान समय की आवश्यकता है, जिससे युवाओं का समग्र विकास संभव हो सके। मुख्य वक्ता डॉ. अरविंद मलिक (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र) ने बताया कि यदि भारत को 2036 ओलंपिक में मेडल हासिल करने हैं, तो खिलाड़ियों को विशेष ढंग से प्रशिक्षित करना होगा। खिलाड़ियों को स्वास्थ्य के साथ-साथ तकनीक से जोड़ना आवश्यक है, जिसमें विभिन्न कंपनियों द्वारा खेल के अनुसार जूते और परिधान डिजाइन किए जा रहे हैं, जिससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन और ऊर्जा स्तर में वृद्धि हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों को अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा स्टेरॉयड और अन्य हानिकारक सप्लीमेंट से दूर रहना चाहिए, क्योंकि ये शरीर को कमजोर कर देते हैं और प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। उन्होंने आगे बताया कि भारत में खेलों को बड़े स्तर पर महत्व दिया जा रहा है और खिलाड़ियों के लिए सरकार द्वारा निरंतर निवेश किया जा रहा है। अच्छे खिलाड़ियों के निर्माण के लिए अच्छे कोचों की आवश्यकता है। विदेशी कोचों की सहायता से खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर भारत में ही उत्कृष्ट कोच तैयार किए जा सकते हैं, जिससे भविष्य में खेलों के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ेगी और देश का नाम विश्व स्तर पर ऊंचा होगा। मुख्य वक्ता डॉ. राजीव चौधरी (डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, छत्तीसगढ़) ने दर्शनशास्त्र की गहराइयों को समझाते हुए जीवन के वास्तविक अर्थ को उजागर किया। उन्होंने योग दर्शन के माध्यम से बताया कि योग केवल शरीर का अभ्यास नहीं, बल्कि मन, आत्मा और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करने का मार्ग है।

पंजाब केसरी
THU,26 MARCH 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4

इंडियन फिलॉसफी एवं मिशन ओलिम्पिक्स-2036 पर हुआ सैमीनार

जींद, 25 मार्च (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के खेल परिषद एवं क्रीड़ा भारती हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में इंडियन फिलॉसफी एवं मिशन ओलिम्पिक्स-2036 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते वी.सी.।

सम्मेलन का शुभारंभ समारोह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जबकि विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सीमा गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंतर्गत तकनीकी सत्रों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें प्रात:कालीन सत्रों में टैक्निकल सैशन-1 एवं टैक्निकल सैशन-2 तथा दोपहर भोजन के उपरांत टैक्निकल सैशन-3 एवं 4 का आयोजन किया गया। इसके पश्चात समापन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें दीप भाटिया, सदस्य हरियाणा ह्यूमन राइट्स कमिशन मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अरविंद मलिक (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र), डॉ. राजीव चौधरी (डिपार्टमैंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, पी.आर.एस.यू., छत्तीसगढ़) शामिल हुए। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से प्रोफैसर, रिसोर्स पर्सन, शोधकर्त्ता एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। अब तक 320 प्रतिभागियों ने अपने पंजीकरण की पुष्टि की, जो इस आयोजन की व्यापकता और महत्व को दर्शाता है।

रामानंद, अखिल भारतीय मंत्री क्रीड़ा भारती एवं जनरल सैक्रेटरी, वॉलीबॉल ऑफ इंडिया ने कहा कि भारत में खेलों की अपार संभावनाएं निहित हैं। उन्होंने युवाओं को अनुशासन, समर्पण एवं निरंतर अभ्यास को अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि उचित मार्गदर्शन और पर्याप्त अवसर मिलने पर भारतीय खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने क्रीड़ा भारती द्वारा खेल संस्कृति के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने अपने संदेश में कहा कि भारतीय दर्शन हमारे जीवन मूल्यों का आधार है, जो हमें अनुशासन, संयम और उत्कृष्टता की प्रेरणा देता है। यदि इन सिद्धांतों को खेलों के साथ जोड़ा जाए, तो हमारे खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। मिशन ओलिम्पिक्स 2036 भारत के लिए एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है और इस दिशा में ऐसे अकादमिक आयोजनों की अहम भूमिका है। उन्होंने आयोजन समिति एवं विश्वविद्यालय खेल परिषद को शुभकामनाएं भी दीं।

विशिष्ट अतिथि प्रो. सीमा गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय सम्मेलन विद्यार्थियों एवं शोधकर्त्ताओं को अपने विचार सांझा करने और नई दिशा में सोच विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। भारतीय दर्शन और खेलों का समन्वय वर्तमान समय की आवश्यकता है, जिससे युवाओं का समग्र विकास संभव हो सके।

मुख्य वक्ता डॉ. अरविंद मलिक (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र) ने बताया कि यदि भारत को 2036 ओलिम्पिक में मैडल हासिल करने हैं, तो खिलाड़ियों को विशेष ढंग से प्रशिक्षित करना होगा। खिलाड़ियों को स्वास्थ्य के साथ-साथ तकनीक से जोड़ना आवश्यक है, जिसमें विभिन्न कंपनियों द्वारा खेल के अनुसार जूते और परिधान डिजाइन किए जा रहे हैं, जिससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन और ऊर्जा स्तर में वृद्धि हो रही है।

उन्होंने बताया कि भारत में खेलों को बड़े स्तर पर महत्व दिया जा रहा है और खिलाड़ियों के लिए सरकार द्वारा निरंतर निवेश किया जा रहा है। अच्छे खिलाड़ियों के निर्माण के लिए अच्छे कोचों की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता डॉ. राजीव चौधरी (डिपार्टमैंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, पी.आर.एस.यू., छत्तीसगढ़) ने दर्शनशास्त्र की गहराइयों को समझाते हुए जीवन के वास्तविक अर्थ को उजागर किया।

समापन समारोह के मुख्यातिथि दीप भाटिया ने अपने संदेश में कहा कि भारतीय दर्शन हमें नैतिकता, समानता और मानव मूल्यों का बोध कराता है। खेलों के माध्यम से इन मूल्यों को समाज में स्थापित किया जा सकता है। मिशन ओलिम्पिक्स - 2036 युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक लक्ष्य है।

आयोजन सचिव एवं खेल निदेशक डॉ. नरेश देशवाल ने बताया कि सम्मेलन के सभी तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञों द्वारा शोधपत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें भारतीय दर्शन और खेलों के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की गई। यह राष्ट्रीय सम्मेलन शिक्षा, दर्शन एवं खेलों के समन्वय का एक सशक्त मंच सिद्ध हुआ, जिससे युवाओं को नई दिशा एवं प्रेरणा प्राप्त हुई।

अमर उजाला

Date-26.03.2026

सीआरएसयू में आए विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो रामपाल सैनी। संवाद

मिशन ओलंपिक 2036 पर राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के खेल परिषद एवं क्रीड़ा भारती हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में इंडियन फिलॉसफी एवं मिशन ओलंपिक 2036 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। देशभर के 320 से अधिक प्रोफेसरों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने शिरकत की।

कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि भारतीय दर्शन अनुशासन और संयम का आधार है। यदि हमारे खिलाड़ी इन जीवन मूल्यों को अपनाएं, तो 2036 के ओलंपिक लक्ष्यों को प्राप्त करना आसान होगा। मुख्य वक्ता डॉ. अरविंद मलिक कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने कहा कि 2036 में पदक जीतने के लिए खिलाड़ियों को विशिष्ट जूतों, परिधानों और वैज्ञानिक प्रशिक्षण से जोड़ना होगा।

छत्तीसगढ़ से आए डॉ. राजीव चौधरी ने कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं बल्कि मानसिक एकाग्रता और आत्मविश्वास बढ़ाने का सशक्त माध्यम है जो राष्ट्र निर्माण में सहायक है। समापन समारोह में हरियाणा मानवाधिकार आयोग के सदस्य दीप भाटिया मुख्य अतिथि रहे।

उन्होंने खेलों के माध्यम से मानवीय मूल्यों को समाज में स्थापित करने पर बल दिया। आयोजन सचिव एवं खेल निदेशक डॉ. नरेश देशवाल, कुलसचिव प्रो. सीमा गुप्ता, अखिल भारतीय मंत्री क्रीड़ा भारती, रामानंद ने खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन और निरंतर अभ्यास का संदेश दिया। यह सम्मेलन शिक्षा और खेल जगत के लिए एक नई प्रेरणा लेकर आया है।

दैनिक जागरण

Date-26.03.2026

भारतीय दर्शन जीवन मूल्यों का आधार : कुलगुरु

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के खेल परिषद एवं क्रीड़ा भारती हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में इंडियन फिलासफी एवं मिशन ओलिंपिक्स 2036 विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। कुलपति प्रो. रामपाल सैनी मुख्यातिथि व रजिस्ट्रार प्रो. सीमा गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

मुख्य वक्ता के रूप में डा. अरविंद मलिक (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र), डा. राजीव चौधरी (डिपार्टमेंट आफ फिजिकल एजुकेशन, पीआरएसयू छत्तीसगढ़) शामिल हुए। अखिल भारतीय मंत्री क्रीड़ा भारती व वालीबाल आफ इंडिया जनरल सेक्रेटरी रामानंद ने कहा कि भारत में खेलों की अपार संभावनाएं निहित हैं। उन्होंने कहा कि उचित मार्गदर्शन और पर्याप्त अवसर मिलने पर भारतीय खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने क्रीड़ा भारती द्वारा खेल संस्कृति के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की। कुलपति प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि भारतीय दर्शन हमारे जीवन मूल्यों का आधार है, जो हमें अनुशासन, संयम और उत्कृष्टता की प्रेरणा देता है। यदि इन सिद्धांतों को खेलों के साथ जोड़ा जाए, तो हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। मिशन ओलंपिक्स 2036 भारत के लिए एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. रामपाल सैनी। • सौजन्य सीआरएसयू